तापमान
अधिकतम 29 .2 डिग्री
न्यूनतम 9 .2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, शनिवार, 8 नवंबर 2025

13 राष्ट्र निर्माण की दिशा में मिलकर काम करें प्रो. सुदेश

14 कानून बनाना जितना जरूरी उतना पालन करवाना भी

खबर संक्षेप

प्रगति नगर फीडर पर आज रहेगा शटडाउन

सोनीपत। बिजली निगम द्वारा लाइन सुधार कार्य के चलते शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक 11 केवी प्रगति नगर फीडर पर परमिट/शटडाउन रहेगा। इस दौरान न्यू फीडर लाइन के पोल और केबल लगाने का कार्य किया जाएगा। कार्य के दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखी जाएगी, जिससे कई क्षेत्रों में अस्थायी रूप से बिजली कटौती रहेगी। बिजली विभाग के अनुसार, जिन इलाकों की आपूर्ति बाधित रहेगी उनमें प्रगति नगर, छोटूराम कॉलोनी, मालिक कॉलोनी और अशोक विहार की गली नंबर 7 शामिल है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लें और बिजली कटौती के दौरान सावधानी बरतें। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यह कार्य बिजली आपूर्ति को और अधिक सुचारु व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। निर्धारित समय के भीतर काम पूरा करने के प्रयास किए जाएंगे और कार्य पूर्ण होते ही सभी प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सामान्य रूप से बहाल कर दी जाएगी।

उपेन्द्र मुनि महाराज 10 को आएंगे बड़ी, करेंगे प्रवचन

गन्नौर। समालखा मंडी में संपन्न हुए ऐतिहासिक चातुर्मास के पश्चात राष्ट्रीय रत्न, प्रज्ञा महर्षि गुरुदेव उपेन्द्र मुनि महाराज म. सा. अब गन्नौर क्षेत्र की पावन भूमि पर पदार्पण करेंगे। गुरुदेव के शिष्य चमत्कारी बाबा प्रेम सुख महाराज के अनुयायी भक्तों के लिए गुरुदेव के सान्निध्य में प्रवचन सुनने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे। आयोजक संजय जैन (चिल्ली) और रिषभ जैन (चिल्ली) ने बताया कि गुरुदेव का प्रवचन 10 नवंबर को बड़ी औद्योगिक क्षेत्र प्लॉट नंबर 367-368 पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान गुरुदेव उपेन्द्र मुनि जी महाराज आत्मशुद्धि, सदाचार और अहिंसा के संदेशों पर आधारित आध्यात्मिक प्रवचन देंगे।

संदिग्ध हालत में विवि के कर्मचारी की मौत

सोनीपत। राई थाना क्षेत्र में स्थित स्पोर्ट्स स्कूल में तैनात कर्मचारी की संदिग्ध हालत में तबीयत खराब हो गई। साथी कर्मचारी उसे अस्पताल में लाने लगे। रास्ते में ही कर्मचारी ने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार राजेंद्र निवासी सेक्टर-7 ने बताया कि उसका भाई राजपाल (48) राई स्पोर्ट्स स्कूल में कार्यरत था। बृहस्पतिवार को अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। साथी कर्मचारी उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लेकर जाने लगे। जानकारी मिली कि रास्ते में ही राजपाल ने दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से राई थाना पुलिस को अवगत करवाया गया।

डबल मर्डर के हत्यारों का एनकाउंटर रोहतक में की थी पिता-पुत्र की हत्या

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

रोहतक में शुक्रवार को पिता-पुत्र के हत्यारोपियों का शुक्रवार देर शाम एंटी गैंगस्टर यूनिट ने सोनीपत के झरोठी टोल के पास एनकाउंटर कर दिया। दोनों आरोपियों की उम्र करीब 19 साल बताई जा रही है तथा रोहतक के बलियाना गांव के रहने वाले है। पुलिस एनकाउंड के दौरान पांव में गोली लगने से घायल सन्नी और हिमांशु को घायल अवस्था में खरखौदा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज खानुपर रेफर कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से जिंदा कारतूस व हथियार भी बरामद किए है। घटना के बाद डबल मर्डर में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश शुरू करने के साथ घटना के बाद क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ नाकेबंदी भी बढ़ा दी है।

- हत्याकांड के बाद एंटी गैंगस्टर यूनिट ने कुछ घंटे बाद झरोठी टोल के पास बदमाशों को घेरा
- रोहतक के बलियाना गांव के रहने वाले हैं आरोपी हिमांशु और सन्नी, दोनों के पांव में लगी गोली

खाखौदा। पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के बाद अस्पताल में उपचाराधीन दोनों बदमाश।

पहले बेटे और पिता की थी हत्या

शुक्रवार को रोहतक के बलियाना गांव निवासी पिता-पुत्र की हत्या से गांव में हड़कंप मच गया था। बताया जाता है कि पांच बदमाश कार व स्कूटी पर सवार होकर आए और पहले दीपक के पास पहुंचे तथा पिता का नाम पूछने के बाद उसे दो गोली मारी। दीपक की हत्या के बाद आरोपी उसके घर गए तथा पिता धर्मबीर को पांच गोलियां मारकर उसकी भी हत्या कर दी। धर्मबीर का बड़ा बेटा सचिन उर्फ सागर ने 2023 में गांव के दुकानदार की हत्या के आरोप में जेल में बंद है। सीसीटीवी फुटेज में पांच आरोपी घर में घुसते और बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। बाप-बेटे की हत्या के पीछे दुकानदार के भाई का हाथ माना जा रहा है। एंटी गैंगस्टर यूनिट ने आरोपियों को घेरा

रोहतक में बाप-बेटे की हत्या के बाद से ही पुलिस को आरोपियों की तलाश थी। जैसे ही पुलिस को आरोपियों के खरखौदा में होने की जानकारी मिली तो सोनीपत की एंटी गैंगस्टर यूनिट ने झरोठी टोल के पास आरोपियों को घेर लिया। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान पांव में गोली लगने से दोनों आरोपी घायल हो गए। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया तथा आरोपियों की पहचान बलियाना निवासी सन्नी और हिमांशु के रूप में हुई।

पुलिस के सामने अब भी चुनौती

सोनीपत में हुई मुठभेड़ के बाद भले ही पुलिस ने भले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया हो, परंतु पुलिस की चुनौती अब भी कम नहीं हुई है। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि आखिर नाकेबंदी के बावजूद डबल मर्डर को अंजाम देने के बाद खरखौदा तक पहुंचने में कैसे सफल रहे। आरोपियों को रोहतक की सीमा पार करवाने में किसने सहायता की तथा किसके कहने पर डबल मर्डर को अंजाम दिया गया। हत्याकांड में शामिल बाकी आरोपी कौन थे तथा फिलहाल कहां है और किस गैंग से उनका संबंध है।

हथियारों से लैस थे बदमाश : वारदात सीसीटीवी में कैद, मामले की जांच शुरू

आरसी वीला होटल पर बदमाशों का एक दिन में ही दो बार हमला, लाखों की नकदी लूटी

घटना से व्यापारियों में दहशत का माहौल, कार्रवाई की मांग

सोनीपत। शहर के मुरथल रोड पर स्थित आरसी वीला होटल में बदमाशों ने एक ही दिन में दो बार हमला कर दहशत फैला दी। पहली वारदात 6 नवंबर की दोपहर में हुई, जब बाइक पर सवार दो युवकों ने होटल मालिक के भाई पर जानलेवा हमला किया, वहीं रात में बदमाशों का बड़ा गिरोह पिस्तौल और तलवारों से लैस होकर होटल में घुस गया और करीब 1 लाख 50 हजार रुपये की नकदी लूटकर फरार हो गया। पूरी वारदात होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। होटल मालिक विकास कुमार निवासी गांव रेवली ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 6 नवंबर दोपहर करीब 2 बजकर 45 मिनट पर दो युवक बाइक से आए और सीधे गल्ले की ओर बढ़े। उन्होंने पहले तो उनके साथ मारपीट की, और जब उसका भाई संदीप मदद के लिए बाहर आया तो भागते समय आरोपियों ने उसकी आंख पर कांच की बोतल से वार कर दिया। घायल संदीप को अस्पताल ले जाया गया और इलाज के बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घटना के कुछ घंटे बाद ही रात करीब 8 बजकर 45 मिनट पर 10 से अधिक बदमाशों का गिरोह कारों में सवार होकर आया। उनके पास तलवारें और पिस्तौलें थीं। बदमाशों ने होटल का शीशे का दरवाजा तोड़ दिया और अंदर घुसकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। अपनी जान बचाने के लिए होटल मालिक और कर्मचारी ऊपर के हिस्से में छिप गए। बदमाशों ने गल्ले से 1.5 लाख नकद लूट लिए और जाते समय जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। विकास कुमार ने बताया कि पूरी वारदात होटल के सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो चुकी है और उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और व्यापारी वर्ग ने भी सुरक्षा को लेकर चिंतित है।

स्कूटी डिवाइडर से टकराई एक मौत, तीन अन्य घायल

सोनीपत। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर अनियंत्रित होकर स्कूटी डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में स्कूटी सवार चार युवक घायल हो गए। घायलों को राहगीरों की मदद से उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने एक नाबालिग को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य को रेफर कर दिया। उनका उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। नरेला दिल्ली निवासी संजय ने बताया कि उसका भाई सूरज (17) अपने दोस्त राहुल, अरबाज व एक अन्य के साथ स्कूटी पर सवार होकर मुरथल आया हुआ था। उसे जानकारी मिली कि उनकी स्कूटी डिवाइडर से जा टकराई। जिसमें चारों घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने सूरज को मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। वहीं घायलों का इलाज चल रहा है।

शिक्षामंत्री के आवास के 8 को प्रदर्शन

सोनीपत। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की टीमों ने शुक्रवार को जिले के कई स्कूलों का दौरा किया और बताया कि सरकार के शिक्षा विरोधी, शिक्षक विरोधी नीतियों के खिलाफ 8 नवंबर को शिक्षा मंत्री के आवास पर प्रदेश भर के शिक्षक प्रदर्शन करेंगे। टीमों में जिला प्रधान नरेंद्र चहल, जिला सचिव दिनेश चिकारा जिला ऑडिटर राजेंद्र सिंह, कार्यालय सचिव रोहतास कुमार, सर्व कर्मचारी संघ के गन्नौर ब्लॉक सचिव सुरेश कादियान ने गनौर के स्कूलों का दौरा किया। जिसमें दतौली, बेगा, घसौली और बड़ी के स्कूलों का दौरा किया।

किशोरी से छेड़छाड़ के दोषी को पांच साल कैद व 12 हजार रुपये जुर्माना

■ अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने पीड़िता की मां और परिचित को भी दो-दो साल की सजा सुनाई

सोनीपत। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र की अदालत ने किशोरी से छेड़छाड़ के एक मामले में मुख्य आरोपित को दोषी करार देते हुए पांच साल कैद और 12 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। वहीं, अदालत ने पीड़िता की मां और उसके परिचित को भी दोषी मानते हुए दो-दो साल कैद और छह-छह हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने आदेश दिया कि वसूले गए जुर्माने में से 12 हजार रुपये की राशि पीड़िता को मुआवजे के रूप में दी जाए। यह मामला मुरथल थाना क्षेत्र का है। पीड़िता के पिता ने 27 अप्रैल 2024 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी पत्नी अक्सर अपने एक रिश्तेदार के पास जाती थी और उनके बीच अवैध संबंध बन गए थे। शिकायत के अनुसार, 23 मार्च 2024 की रात को पत्नी अपने परिचित सुखबीर और उसके

रिश्तेदार पवन (निवासी जींद) के साथ घर आई थी। सभी घर में रुके थे। रात में पवन ने उसकी नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। अगली सुबह जब बेटी ने घटना की जानकारी मां को दी तो मां ने, पवन और उसके रिश्तेदार ने पीड़िता को ही धमकाकर चुप करा दिया। कुछ दिन बाद पत्नी बिना बताए घर से चली गई, जिसके बाद पिता को घटना की जानकारी मिली और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तीनों आरोपितो के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की और सभी को गिरफ्तार कर लिया। अदालत में सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र ने पवन को छेड़छाड़ का दोषी करार दिया, जबकि पीड़िता की मां और उसके परिचित को अपराध की जानकारी होने के बावजूद चुप कराने और सहयोग करने का दोषी पाया। अदालत ने तीनों को सजा सुनाते हुए कहा कि इस तरह के अपराध समाज में असुरक्षा और भय का वातावरण पैदा करते हैं, इसलिए दोषियों को सख्त सजा मिलनी आवश्यक है।

लंबू ने गोलियां मारकर क्रिकेट कोच की कर दी थी हत्या

नपा के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील लंबू के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

गन्नौर। शास्त्री नगर में पार्षद सोनिया शर्मा के ससुर पूर्व क्रिकेट कोच रामकरण शर्मा की हत्या के आरोपित नपा के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील लंबू के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कर दिया गया है। अब सुनील लंबू न तो अपने खातों से रुपये निकाल पाएगा और न ही विदेश भाग सकेगा। वहीं पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्यारोपित नपा के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील लंबू ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोलियां मारी थी। जिसके बाद वह फरार हो गया था। आरोपित ने पुलिस से बचने के लिए अपना फोन भी आन नहीं किया है। वहीं आरोपित ने भी अब तक अपने खातों से किसी तरह का लेनदेन करने का प्रयास नहीं किया है। ऐसे में पुलिस को अभी तक सुनील लंबू के बारे में कोई सुराग नहीं मिल पाया है और वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। एसीपी ऋषिकांत ने बताया कि आरोपित सुनील लंबू के पास एक 32 बोर की लाइसेंसी पिस्टल और एक लाइसेंसी डोगा है। जांच में सामने आया कि कोच रामकरण शर्मा पर सुनील लंबू ने अपनी 32 बोर की लाइसेंसी पिस्टल से गोलियां दागी थीं।

मुख्यमंत्री के संज्ञान में आया मामला

भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक ने पीड़ित परिवार से मिलकर उनका ढाढस बंधाया। उन्होंने पीड़ित परिवार को बताया कि इस मामले को लेकर वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने हरियाणा डीजीपी ओपी सिंह और डीजी सीआईडी सौरव सिंह को जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार करने के आदेश दे दिए हैं। देवेंद्र कौशिक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है मामले की निष्पक्ष जांच होगी और जो भी मामले में शामिल होगा उसे किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

उपराष्ट्रपति ने दिया भावी पीढ़ी को दिया राष्ट्रनिर्माण का संदेश

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि नैतिक आचरण, अनुशासन व समाजसेवा का संस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

राजीव गांधी एजुकेशन सिटी स्थित एक निजी विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह आज अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधा कृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने स्नातक, परास्नातक एवं शोधार्थी विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान कीं तथा उन्हें समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उप-राष्टपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि नैतिक आचरण, अनुशासन और समाजसेवा का संस्कार है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि डिग्री अंत नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत है। असफलताओं से सीखने और सफलता के समय समाज व राष्ट्र के हित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा ज्ञान तभी सार्थक है जब वह जनहित में प्रयुक्त हो।

- निजी यूनिवर्सिटी में आयोजित किया तृतीय दीक्षांत समारोह

राई। छात्रा को डिग्री वितरित करते उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन।

छात्र को चार युवकों ने बीच रास्ते में रोककर पीटा, केस दर्ज

गोहाना। बीए द्वितीय वर्ष के छात्र गुलशन को चार युवकों ने बीच रास्ते में रोककर उसे डंडों से पीटा। छात्र भागकर एक ग्रामीण के मकान में घुस गया। उसकी शिकायत पर बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। गांव ईशापुर खेड़ी का गुलशन राजकीय कालेज बड़ौता में द्वितीय वर्ष में पढ़ता है। उसने पुलिस को बताया कि वह चार नवंबर को दोपहर तीन-चार बजे अपने गांव में बस स्टैंड पर बस से उतरा। वह घर की तरफ जा रहा था। जब एक निजी स्कूल के पास पहुंचा तो वहां पर गांव के सोनू व तीन अन्य युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। उसे डंडों से पीटना शुरू कर दिया। वह बचाव के लिए गांव की तरफ भागा और एक ग्रामीण के घर के अंदर घुस गया। आरोपित धमकी देकर भाग गए। वह उपचार के लिए नागरिक अस्पताल गया, जहां से उसे बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

टोल पर अव्यवस्था से लोग बेहाल मंच ने उठाई सुधार की मांग

सोनीपत। मोहाना टोल पर बंद की गई लेन।

सोनीपत। सोनीपत नगर सुधार मंच के चेयरमैन संजय सिंगला ने मोहाना टोल प्लाज़ा पर हो रही अव्यवस्था पर कड़ा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि टोल पर कुल 8 लेन होने के बावजूद केवल 3 लेन ही चालू रखी जाती हैं, जबकि बाकी 5 लेन बंद रहने से वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। संजय सिंगला ने कहा कि लोगों को पैसे देने के बावजूद काफी देर तक लाइन में खड़ा रहना पड़ता है, जो आम जनता के साथ सीधा अन्याय है। एक ओर सरकार जाम फ्री हरियाणा की बात करती है, वहीं दूसरी ओर टोल कर्मियों की मनमानी से लोग रोज़ाना परेशान हो रहे हैं।नगर सुधार मंच ने मांग की है कि प्रशासन इस पर तुरंत संज्ञान ले, सभी टोल लेन हमेशा चालू रखी जाएं और जनता से अनावश्यक रूप से परेशान न हो।

अजय व सुनील ने ओलंपिक स्टेट गेम्स में जीता सोना

गोहाना। फरीदाबाद में सम्पन्न 27वें हरियाणा ओलंपिक गेम्स में गांव मदीना स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस खेल अकादमी के खिलाड़ी अजय मलिक और सुनील मलिक ने स्वर्ण पदक पर कब्जा लिए। दोनों खिलाड़ियों ने इन खेलों में लॉन टेनिस में अपनी खेल प्रतिभा का दम दिखाया। शुक्रवार को अकादमी में दोनों को सम्मानित किया गया। 3 से 6 नवंबर तक फरीदाबाद में हरियाणा ओलंपिक गेम्स आयोजित किए गए। खेलों में अजय मलिक ने लॉन टेनिस के एकल, दोहरे और संयुक्त तीनों वर्गों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को परास्त करके स्वर्ण पदक हासिल किए। दूसरे खिलाड़ी सुनील मलिक ने लॉन टेनिस में दोहरे वर्ग में अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। शुक्रवार को दोनों खिलाड़ियों को संस्था के संचालक पहलवान अजमेर मलिक, कोच सोमबीर, कैप्टन रामकुंवार नंबरदार और कोच दीपिका ने समारोहपूर्वक सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सूअर में पसीने की ग्रंथियां नहीं होती हैं, इसलिए वे ठंडा रहने के लिए कीचड़ में लौटते हैं।

यंगभूमि

बाज की दूर की दृष्टि औसत इंसान से लगभग 700% बेहतर होती है।

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बन चमकाएं अपना करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

कंप्यूटर के कार्य करने के तरीके को जानकर उसका सुचारू रूप से संचालन करना कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर का कार्य होता है। कंप्यूटर अनुदेशक कंप्यूटर को इंस्ट्रक्टशन देता है या फिर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टशन को लोगों को आम भाषा में सिखाता है इसे आप आसान भाषा में कंप्यूटर अध्यापक भी कह सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि कंप्यूटर का उपयोग आज के समय में बड़े पैमाने पर किया जाता है। इसके लिए कंप्यूटर को इंस्ट्रक्टर करने वाले लोगों की भी डिमांड देश और दुनिया में हर दिन बढ़ रही है तो आइए कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के बारे में जानते हैं।

बहुत अधिक महत्व

कंप्यूटर का उपयोग तथा उसका महत्व क्या है? यह बात आप भली-भांति जानते ही होंगे, क्योंकि आज के समय में कंप्यूटर प्रत्येक छोटा से छोटा और प्रत्येक बड़ा से बड़ा कार्य कर लेता है। कंप्यूटर पर आज के समय में दुनिया भर के प्रत्येक काम किए जाते हैं। कंप्यूटर की मदद से ही बड़ी-बड़ी कंपनियां और बड़े बड़े उद्योगों को चलाया जाता है। इस तरह से कंप्यूटर की उपयोगिता के आधार पर आप इसकी जरूरत और इससे होने वाले फायदों के बारे में भली-भांति जान सकते हैं। कंप्यूटर आज के दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाला एक आम उपकरण बन चुका है जिसका इस्तेमाल भारत में तथा दुनिया भर में 80% से भी अधिक आबादी करती है। कंप्यूटर का उपयोग ज्योति नहीं करते हैं वह कंप्यूटर के द्वारा निर्मित या कंप्यूटर के सहयोग से बनी हुई वस्तुओं का उपयोग अवश्य करते हैं। इस बात से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कंप्यूटर आज के समय में कितना महत्वपूर्ण उपकरण बन चुका है। कंप्यूटर पर आधारित बड़े-बड़े उद्योग और बड़ी-बड़ी कंपनियां संचालित हैं। कंप्यूटर की मदद से ऑनलाइन कार्य किए जाते हैं और हर तरह के काम को आसान बनाया जाता है। कंप्यूटर बहुत सारे लोगों का काम अकेला ही तथा कुछ ही समय में कर देता है इसके अलावा काफी आसान तरीके से काम को निपटा देता है इसीलिए कंप्यूटर का महत्व है।

कौन होता है कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर

एक ऐसा व्यक्ति जो कंप्यूटर की प्रणालियों को समझ कर लोगों के इस्तेमाल के लिए कंप्यूटर को तैयार रखता है या कंप्यूटर की प्रणालियों को समझ कर लोगों को आसान भाषा में बताता है, ऐसे व्यक्ति को हम कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर कहते हैं। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर एक प्रकार का कंप्यूटर अध्यापक होता है जो कंप्यूटर से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य करता है। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर का कार्य आमतौर पर बड़े-बड़े सरकारी विद्यालयों में तथा बड़े-बड़े प्राइवेट शिक्षण संस्थान में बच्चों को कंप्यूटर की क्लास के दौरान होता है।

कौन से कार्य करने होते

कंप्यूटर एक ऐसा उपकरण है जो जटिल से जटिल कार्य को कम से कम समय में पूरा कर देता है। कंप्यूटर को समझना बहुत आसान है और बहुत कठिन भी है क्योंकि हम जितना कंप्यूटर को समझेंगे उतना हम कार्य कर सकते हैं। लेकिन हम कंप्यूटर को पूरी तरह से नहीं समझ सकते, क्योंकि हम जितना चाहे उतना कंप्यूटर को समझ सकते हैं और जितना चाहे उतना अपनी समझ के अनुसार कंप्यूटर से कार्य करवा सकते हैं जो व्यक्ति जितना अधिक कंप्यूटर के क्षेत्र में आगे बढ़ता है। कंप्यूटर की शिक्षा प्राप्त करता है। वह उसके अनुकूल कंप्यूटर से संबंधित शिक्षा ग्रहण कर लेता है **Computer instructor** एक ऐसा ही पद होता है।

कंप्यूटर अनुदेशक की योग्यताएं

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनना चाहते हैं तो आपको कुछ योग्यताएं पास करनी होगी, जिसके बाद ही आप कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बन सकते हैं क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण पद है। प्रत्येक व्यक्ति को कंप्यूटर के सेक्टर में अतिरिक्त और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त नहीं होती है। अगर आप कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर से संबंधित कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर की प्रणाली को गंभीरता से जानना होगा। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने की योग्यता इस प्रकार है।

- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनाने के लिए आपको कंप्यूटर के सेक्टर में गहरी रूचि होनी चाहिए।
- आपके पास कंप्यूटर के क्षेत्र मे डिप्लोमा या कोई अतिरिक्त उच्च डिग्री होनी चाहिए।
- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आपको कंप्यूटर को गहराई से समझना होगा।
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर की प्रणाली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करनी होगी।
- कंप्यूटर अनुदेशक बनने के लिए संबंधित शिक्षण संस्थान तथा वैकेंसी के अंतर्गत आवेदन करना होगा। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनाने के लिए संबंधित लिखित एवं महत्वपूर्ण परीक्षा पास करनी होगी।

कैसे बनें : सरकारी नौकरी के तहत कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आपको शिक्षण संस्थान या संस्था द्वारा रिक्त पदों पर भर्ती के लिए मांगे गए आवेदन के अंतर्गत आवेदन करना होगा।

- आवेदन करने के बाद निर्धारित की गई योग्यता के आधार पर अपनी योग्यता सिद्ध करनी होगी।
- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के लिए आयोजित परीक्षा अच्छें अंकों के साथ पास करनी होगी, तभी आपका नंबर मेरिट लिस्ट में आ पाएगा।
- अगर आपका नाम मेरिट लिस्ट में आ जाता है तो आप कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बन जाते हैं।
- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने के बाद कार्यरत होने से पहले आपको संबंधित अपने सभी दस्तावेजों को प्रमाणित करवाना होता है।
- प्राइवेट सेक्टर में कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनाने के लिए आपको संस्था या शिक्षण संस्थान के आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा।

सर्जरी के हीरो पर्दे के पीछे, करियर का बेहतरीन विकल्प

एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट बन छू लें आसमान

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

सरकारी संस्थानों में परीक्षा के आधार पर ही दाखिला

अगर आप भी मेडिकल के क्षेत्र में अपना करियर चमकाना चाहते हैं तो आपके लिए एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट का कोर्स एक बेहतर करियर विकल्प हो सकता है। यह कोर्स करने के बाद आप सर्जरी में पर्दे के पीछे के हीरो बन जाएंगे और अपने करियर को नई उड़ान दे सकेंगे। इसके साथ आपको मरीजों की सेवा करने का भी मौका मिलता है। मरीज की सर्जरी के समय ऑपरेशन थिएटर में एक संपूर्ण मेडिकल टीम सक्रिय रहती है, जिसमें सर्जन और एनेस्थेटिस्ट के साथ एक उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ भी मौजूद होता है। यही विशेषज्ञ होता है जो एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट (एओटीटी) जो मरीज की सुरक्षा, ओटी उपकरणों की तैयारी और सर्जिकल प्रक्रिया की निरंतरता सुनिश्चित करता है। इस कारण इसे मेडिकल फील्ड के सबसे महत्वपूर्ण, लेकिन कम दिखाई देने वाले प्रोफेशन में से एक माना जाता है।

12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) में न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना जरूरी

बी.एससी. इन एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी

एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट

एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट एक टेक्नो-क्लिनिकल विशेषज्ञ होता है, जो सर्जरी से पहले, दौरान और बाद में तकनीकी तथा क्लिनिकल सपोर्ट प्रदान करता है।

ये हैं मुख्य जिम्मेदारियां :-

- ओटी की तैयारी और तकनीकी सेटअप
- मशीनों, मॉनिटर्स और उपकरणों की जांच व संचालन
- एनेस्थीसिया प्रक्रिया में सहायता
- स्टरलाइजेशन और संक्रमण नियंत्रण
- आईसीयू/आपातकालीन स्थितियों में तकनीकी सहायता
- कार्डियक/न्यूरो/ऑर्थो जैसे सुपर-स्पेशियलिटी ओटी में सपोर्ट

कोर्स की अवधि

बी.एससी. इन एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी एक 4 वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम है, जिसमें 3 वर्ष का अकादमिक प्रशिक्षण और 1 वर्ष की अनिवार्य क्लिनिकल इंटर्नशिप शामिल होती है। इस दौरान विद्यार्थियों को कक्षा शिक्षण, लैब प्रैक्टिकल्स तथा ऑपरेशन थिएटर एवं एनेस्थीसिया विभाग में वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान किया जाता है। इंटर्नशिप के दौरान छात्र ओटी सेटअप, एनेस्थीसिया मशीनों का संचालन, लाइफ सपोर्ट इक्विपमेंट्स की मेंटेनेंस, सर्जिकल उपकरणों की स्टरलाइजेशन प्रक्रिया तथा मरीज की प्री ऑपरेटिव देखभाल जैसे महत्त्वपूर्ण कौशलों का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त, कई संस्थान विद्यार्थियों को केस स्टडी, वर्कशॉप्स, सिमुलेशन-बेस्ड ट्रेनिंग एवं रिसर्च प्रोजेक्ट्स जैसे माध्यमों से उन्नत व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। इस दौरान तकनीकी दक्षता के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, टीमवर्क, रोगी सुरक्षा और पेशेवर संवेदनशीलता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

रोजगार के बेहतरीन अवसर

- बहु-विशेषता अस्पताल
- सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय
- आईसीयू / एनआईसीयू / क्रिटिकल केयर इकाई
- आपातकालीन एवं ट्रॉमा देखभाल सेवाएं
- दर्द प्रबंधन इकाइयां
- केन्द्रीय स्टरल सप्लाई विभाग एवं संक्रमण नियंत्रण
- सशस्त्र बल / ईएसआईसी / रेलवे चिकित्सा सेवाएं
- चिकित्सा उपकरण उद्योग

यह सिखाया जाता है इंटर्नशिप में : *इंटर्नशिप के दौरान छात्र वास्तविक अस्पतालों में कार्य करते हुए लाइव क्लिनिकल अनुभव प्राप्त करते हैं, जहां उन्हें ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में सेटअप, स्टरलाइजेशन और उपकरणों के संचालन, एनेस्थीसिया विभाग में IV लाइन लगाना, एयरवे मैनेजमेंट और दवाओं की तैयारी, आईसीयू/ सीसीयू/ एनआईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट एवं क्रिटिकल केयर मॉनिटरिंग, इमरजेंसी एवं ट्रॉमा में बीएलएस-एसीएलएस तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया, सीएसएसडी में उपकरणों की स्टरलाइजेशन प्रक्रिया एवं ओटी एसेप्सिस और पेन क्लिनिक में सेडेटिव व एनाल्जेसिक प्रक्रियाओं में सहायता जैसे कौशलों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। यह एक वर्षीय क्लिनिकल प्रैक्टिस छात्रों को वास्तविक अस्पताल-परिस्थिति में दक्ष बनाकर उन्हें एक कुशल, व्यावहारिक और अस्पताल-योग्य प्रोफेशनल के रूप में तैयार करती है।*

कोर्स की योग्यता

इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) में न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना चाहिए। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिला होता है। आज कई निजी संस्थान भी यह कोर्स संचालित कर रहे हैं, लेकिन छात्रों को संस्थान चुनते समय उसकी मान्यता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। चूंकि यह कोर्स तकनीकी और मरीजों के सीधे संपर्क से जुड़ा है, इसलिए व्यवहारिक ज्ञान इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इन संस्थानों से कर सकते हैं कोर्स

- पीजीआईएमएस रोहतक (पंडित भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक)
- पी.जी.आई. चंडीगढ़ (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़)
- जेआईपीएमईआर (जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुदुचेरी)
- जीएमसीएच चंडीगढ़। (शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, चंडीगढ़)
- एसजीपीजीआईएमएस (संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ)
- एम्स दिल्ली(अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली)
- एम्स भोपाल (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल)
- एम्स बिभीनगर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिभीनगर, तेलंगाना)
- एम्स देवघर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर
- एम्स गोरखपुर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर)
- एम्स जोधपुर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर)
- जामिया हमदर्द (जामिया हमदर्द (विमुक्त विश्वविद्यालय), नई दिल्ली)

वेतनमान के लिये ये श्रेणी

- **फ्रेशर:** 25,000 रुपये से 35,000 रुपये तक
- **सरकारी अस्पतालों में प्रारंभिक वेतन:** लगभग 60,000 रुपये प्रतिमाह से शुरू होता है।
- **अनुभवी (3–5 वर्ष):** 45,000 रुपये से 70,000 रुपये तक
- **सुपर स्पेशियलिटी/सीनियर:** 80,000 रुपये से 1,20,000+ रुपये तक संभव
- **विदेश में भी मौके :** 2–4 लाख रुपये प्रतिमाह तक संभव

गर्व का करियर

यदि आप बिना एमबीबीएस किए ही मेडिकल फील्ड में सीधा क्लिनिकल योगदान देना चाहते हैं, तो (बी.एससी. इन एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी) का कोर्स आपके लिए एक उत्कृष्ट और सम्मानजनक करियर विकल्प हो सकता है। यह प्रोफेशन न केवल तकनीकी दक्षता सिखाता है, बल्कि मरीज की जान बचाने वाली टीम का अभिन्न हिस्सा बनने का गर्व भी देता है। इस काम को करके आप एक अलग ही अनुभव महसूस करेंगे और अपने करियर को उड़ान दे सकेंगे। सर्जरी की सफलता और मरीज की सुरक्षा में एओटीटी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य है। यही कारण है कि इन्हें सही मायनों में ऑपरेशन थिएटर के सच्चे हीरो कहा जाता है। अतः आप भी इस करियर विकल्प को अपनाकर पर्दे के पीछे के हीरो बनकर लोगों की जान बचाने में अहम योगदान दे सकते हैं।

प्राकृतिक संसाधनों का महत्व और सूर्य की तरह चमकने का रहस्य

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारत एक ऐसा देश है जहां त्योहार न केवल खुशियां बांटते हैं, बल्कि जीवन के गहन सबक भी सिखाते हैं। हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में दीपावली और छठ पूजा विशेष स्थान रखते हैं। दीपावली को प्रकाश का पर्व कहा जाता है, जबकि छठ सूर्य देव और प्रकृति की उपासना का प्रतीक है। ये त्योहार छात्रों के लिए न केवल सांस्कृतिक धरोहर हैं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को समझने और जीवन में सूर्य की तरह चमकने का मार्गदर्शन भी करते हैं। इस लेख में हम करेंगे कि छात्र इन त्योहारों से क्या सीख सकते हैं, प्राकृतिक संसाधनों की प्रासंगिकता क्या है और कैसे वे अपने जीवन को उज्ज्वल बना सकते हैं। भारत वो मिट्टी है जहाँ त्योहार सिर्फ़ उत्सव नहीं, मां की गोद जैसे हैं जो गले लगाकर सिखाते हैं कि जिंदगी का असली प्रकाश बाहर नहीं, अंदर जलता है। दीपावली और छठ... ये दो नाम सुनते ही आंखों में चमक और दिल में एक गुदगुदी सी होती है।

अंधेरा चाहे कितना गहरा हो, एक दीया काफी है

दीपावली वो मां है जो कहती है, "बेटा, अंधेरा चाहे कितना गहरा हो, एक दीया काफी है"। छठ वो दादी है जो नदी किनारे खड़ी होकर फुसफुसाती है, "सूरज को धन्यवाद देना, क्योंकि वो रोज तेरे लिए उगता है। ये त्योहार छात्रों के लिए सिर्फ़ छुट्टी नहीं दिल की क्लासरूम हैं। जहां प्राकृतिक संसाधन कोई सब्जेक्ट नहीं, सांसें हैं। और सूर्य की तरह चमकना कोई ड्रीम नहीं, विरासत है।

दीपावली: जब मां की हंसी दीयों में उतर आती है कार्तिक की अमावस्या। अयोध्या में राम लौटे थे। माँ सीता की आंखों में आंसू थे खुशी के। और आज? तुम्हारी माँ रसोई में दीये सजाती है। उसकी उँगलियाँ मिट्टी को छूती हैं। वो मिट्टी, जो तुम्हारे गाँव की है। वो तेल, जो खेतों से आया। वो बाती, जो दादी ने हाथ से काता।

दिल को छूने वाले सबक: 1. प्रकाश का महत्व: एक दीया जलता है तो लगता है, माँ की गोद में सोने जैसा सुकून। वो बताता है साधारण चीजों में भी जादू है। बिजली चली जाए तो क्या? तुम्हारा हौसला तो जल रहा है ना? आज की बिजली की बर्बादी देखकर मां रोती है। तुम बचाओ उसकी आँखों के आंसू बचेंगे।

2. **स्वच्छता और तैयारी:** दीवाली से पहले मां कहती है, "घर साफ़ करो, दिल भी साफ़ हो जाएगा"। परीक्षा का पेपर हो या जीवन का इम्तिहान सफ़ाई से शुरूआत होती है।

3. **साझेदारी और दान:** लक्ष्मी पूजन के बाद मां पड़ोसन को मिठाई देती है। "बेटा, जो बांटोगे, वही बढ़ेगा"। तुम्हारे नोट्स, तुम्हारा समय बांटो। एक दिन कोई तुम्हें अपना सूर्य बनाएगा।

छठ पूजा: जब नदी मां बनकर गाती है

बिहार की घाट। सुबह 4 बजे। ठंडी हवा। माँ सूप लिए खड़ी हैं। सूरज को पहला अर्घ्य। उस पल सूरज नहीं, माँ की आँखें चमकती हैं।

दिल को पिघला देने वाले सबक

1. **प्राकृतिक संसाधनों की पूजा:** ठेकुआ में गुड़ की मिठास, गन्ने में खेत की खुशबू, नारियल में समंदर की लहर। ये सब मां की थाली में हैं क्योंकि प्रकृति मां है। जल संकट में जब गाँव की नदी सूखती है, माँ की आँखें सूखती हैं। तुम बचाओ मां की मुस्कान बचाओ।
2. **कठिनाई में धैर्य:** 36 घंटे का निर्जला व्रत। मां कहती हैं, "बेटा, दर्द में भी धैर्य रखो"। **JEE** की रातें, इंटरव्यू की घबराहट याद रखो, माँ खड़ी थीं नदी में, तुम भी खड़े रहोगे।
3. **स्वास्थ्य और शुद्धता:** ठेकुआ खाकर मां कहती हैं, "शुद्ध खाओ, शुद्ध सोचो"। जंकफूड छोड़ो। मां की थाली में स्वास्थ्य है, इंस्टाग्राम में नहीं।

दीपावली और छठ जैसे त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन दर्शन हैं। छात्र इनसे प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान, अनुशासन, धैर्य और सकारात्मकता सीख सकते हैं। आज के डिजिटल युग में जहां बच्चे स्क्रीन से चिपके रहते हैं, ये त्योहार उन्हें प्रकृति से जोड़ते हैं। आइए, इन त्योहारों को मनाते हुए वादा करें कि हम संसाधनों की रक्षा करेंगे और सूर्य की तरह चमककर देश का भविष्य उज्ज्वल बनाएंगे।

प्राकृतिक संसाधनों की प्रासंगिकता: मां की गोद ख़तरे में सूर्य की तरह चमकने का रहस्य: मां का आशीर्वाद सूरज रोज उगता है, क्योंकि मां रोज प्रार्थना करती है।"

सकारात्मक ऊर्जा: सूरज कभी नहीं कहता—"आज थक गया हूं"। तुम भी मत कहो। मां की लोरी में ताकत है।

ज्ञान का प्रकाश: दीपावली का दीया मां की आंखों की चमक। पढ़ो, ताकि अज्ञानता का अंधेरा भागे।

स्वास्थ्य और अनुशासन: छठ का उपवास, मां का **detox**। योग करो। सुबह उठो। मां की थाली में जादू है।

सामान्य ज्ञान

1. किसे कंप्यूटर का पितामह कहा जाता है
(ए) हरमन होलेरिथ
(बी) चार्ल्स बेबेज
(सी) बेल्स पास्कल
(डी) जोसेफ जैक्युर्ड

2. कम्प्यूटर के विकास में सर्वाधिक योगदान किसका है
(ए) हरमन होलेरिथ
(बी) चार्ल्स बेबेज
(सी) बेल्स पास्कल
(डी) वान न्यूमन

3. प्रथम अंकीय कम्प्यूटर के ब्लू प्रिंट के विकास में सर्वाधिक योगदान किसका है
(ए) हरमन होलेरिथ
(बी) चार्ल्स बेबेज
(सी) बेल्स पास्कल
(डी) विलियम बुरोस

4. सर्वप्रथम आधुनिक कम्प्यूटर की खोज कब हुई
(ए) 1946 ई.
(बी) 1950 ई.
(सी) 1960 ई.
(डी) 1965 ई.

5. कम्प्यूटर की भौतिक बनाबट कहलाती है
(ए) सॉफ्टवेयर
(बी) हार्डवेयर
(सी) फर्मवेयर
(डी) ह्यूमन वेयर

6. कम्प्यूटर के संचालन में प्रयुक्त प्रोग्राम.नियम तथा कम्प्यूटर क्रियाओं से सम्बन्धित अन्य लिखित सामग्री को कहा जाता है
(ए) सॉफ्टवेयर
(बी) हार्डवेयर
(सी) नेटवर्क
(डी) फर्मवेयर

7. कम्प्यूटर का नियंत्रक भाग कहलाता है
(ए) प्रिंटर
(बी) कुंजी पटल
(सी) **CPU**
(डी) हार्ड डिस्क

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(बी) 4.(ए) 5.(बी) 6.(ए) 7.(सी)

खबर संक्षेप

गांव बड़वासनी में अवैध निर्माण किया ध्वस्त

सोनीपत। महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) द्वारा शुक्रवार को गांव बड़वासनी में कार्रवाई करते अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए। एसएमडीए की जिला नगर योजनाकार नीलम शर्मा ने बताया कि एसएमडीए की टीम ने बड़वासनी की राजस्व संपदा में नियंत्रित क्षेत्र में सोनीपत बाईपास पर 02 कमरे व 01 शौचालय कुल 100 वर्ग गज में बनाए जा रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। एसएमडीए डीटीपी नीलम ने आमजन से अपील करते कहा कि अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। ऐसी कॉलोनियों में सरकार द्वारा कोई भी मूलभूत सुविधा जैसे पानी, सीवरेज या बिजली प्रदान नहीं की जाती। इससे मेहनत की कमाई जोखिम में पड़ सकती है।

शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी

गन्नौर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली और पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र कौशिक ने वरिष्ठ पत्रकार दलबीर राठी के चचेरे भाई की पुत्रवधू के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। शुक्रवार को दोनों नेता गन्नौर क्षेत्र के भोगीपुर राजलू गांव पहुंचे, जहां उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पत्रकार दलबीर राठी के चचेरे भाई जगदेव राठी की पुत्रवधू सीमा (40 वर्ष) की 1 नवंबर शनिवार को करनाल में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। बडौली ने कहा कि किसी भी परिवार के लिए ऐसा दुख असहनीय होता है। कहा कि ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में सहन शक्ति प्रदान करे। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

साफ-सफाई के प्रति किया जागरुक

सोनीपत। टीकाराम कन्या महाविद्यालय में कम्युनिटी आउटरीच सैल के अंतर्गत सोनीपत नगर के वीकर सेक्शंस के लोगो को न्यूट्रिशन किट वितरित की गई। एवम एक स्च्छता जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसके तहत कमजोर वर्ग के लोगों को साफ़ सफ़ाई के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कॉलेज की छात्राओं ने इस अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की संचालिका कम्युनिटी आउटरीच सैल की इंचार्ज पूनम एवं सीमा रहीं।

जीवीएम गर्ल्स कालेज में मनाई वंदे मातरम की 150वीं जयंती

स्वयं सेविकाओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें मंत्री को सम्मानित करते भाजपा प्रदेशाध्यक्ष साथ में विधायकगण।

हर्षोल्लास से स्मरणोत्सव का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जीवीएम गर्ल्स कालेज की एनएसएस इकाई ने हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का स्मरणोत्सव मनाया। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने सफल आयोजन के साथ वंदे मातरम की 150वीं जयंती की बधाई दी। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जीवीएम की एनएसएस इकाई के तत्वावधान में हर्षोल्लास से स्मरणोत्सव का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने दीप प्रज्वलित करते हुए किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी रूचिका विरमानी ने की। इस दौरान एनएसएस की स्वयंसेविकाओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। मंच का संचालन एनएसएस की छात्रा अनुष्का ने किया।

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राएं एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई

सोनीपत। हिंदू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत में शुक्रवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वें वर्षगांठ के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी कॉलेज फैकल्टी मेंबर्स और छात्राओं ने मिलकर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन किया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज प्राचार्या डॉ. विपाशा अग्रवाल और उप प्राचार्या डॉ. अनिता गोयल की उपस्थिति में हुई। इस दौरान एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर कैप्टन नीतू नसीयर दूहन, डॉ. पूनम (संस्कृत विभाग अध्यक्षा), डॉ. रेनू, डॉ. मंजू बाला और मिसेज सोनिया राय आदि उपस्थित रहे।

एपी गर्ग स्कूल में मनाई राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ

खरखौदा। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने पर ए.पी गर्ग पब्लिक स्कूल में वंदे मातरम स्मरणोत्सव का आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम गीत का गायन किया। चेयरमैन मोहनलाल गुप्ता ने कहा कि इस गीत की रचना बंकिमचंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1874 को अक्षय नवमी के शुभ अवसर पर की थी। यह अमर गीत न केवल भारतीय स्वाधीनता संग्राम का मुख्य उद्घघोष बना और इसमें आजादी की अलख जगाई और आजादी के बाद आज देश का राष्ट्रीय गीत है। अमर गीत वंदे मातरम को लिखकर महान साहित्य रचनाकार और स्वतंत्रता सेनानी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय उर्फ बंकिम चंद्र चटर्जी सदैव के लिए अमर हो गए। वंदे मातरम सिर्फ एक गीत या नारा ही नहीं, बल्कि आजादी की एक संपूर्ण संघर्ष गाथा है,जो 1874 से लगातार आज भी करोड़ों युवा दिलों में धड़क रही है।

वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा

खरखौदा। वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में खरखौदा के प्रताप स्कूल में उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वर्चुअल माध्यम से सुना गया। विधायक पवन खरखौदा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शिरकत की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। इसने लाखों देशभक्तों को प्रेरणा दी और राष्ट्रप्रेम का अमर संदेश दिया। वंदे मातरम वह भाव है जिसने भारत देश की आजादी में योगदान करने वाले लोगों को स्वतंत्रता की राह दिखाई। उपस्थित जनों से आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें और देश की प्रगति में योगदान दें। विधायक पवन खरखौदा ने गोपालपुर के सरपंच एवं अठगामा के प्रधान विनोद दहिया, मंडल अध्यक्ष नरेश पाराशर, स्कूल संस्थापक सतप्रकाश नंबरदार, अमित पाराशर, अश्विनी पाई, मिथुन तिवारी, वंदीप, संदीप आदि को शाल और पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

वंदे मातरम गीत राष्ट्रीय एकता का प्रतीक

गोहाना। वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को आदर्श नगर स्थित आडिटोरियम में उपमंडल स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन सुना। समारोह की अध्यक्षता एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय ने की। मुख्य अतिथि बरोदा हलका से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान ने कहा कि वंदे मातरम गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भावना और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई को एकसूत्र में पिरोने के लिए यह गीत लिखा गया। इसकी प्रेरणा से सभी देशवासियों ने संगठित होकर आजादी की लड़ाई लड़ी। भारत की भूमि केवल जमीन नहीं है बल्कि हमारी मां है, जिसकी आजादी के लिए लाखों-करोड़ों लोगों ने कुर्बानी दी। एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय ने आह्वान किया कि राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें और देश की प्रगति में योगदान दें। कार्यक्रम में बीडीपीओ डा. परमजीत रंगा, बीईओ जितेंद्र गौड़, राजकुमार पंघाल, भाजपा नेता सुमित कक्कड़ व राजेश हुड्डा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वंदे मातरम के 150वीं वर्षगांठ पर स्मरणोत्सव

गन्नौर। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ को स्मरणोत्सव के रूप में मनाते जैन गर्ल कॉलेज में आयोजित उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक देवेंद्र कादियान ने किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम एक गीत, एक भावना, एक राष्ट्र की एकता का प्रतीक है। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक वर्ष तक चलने वाले राष्ट्रीय उत्सव की शुरुआत की है। जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। विधायक देवेंद्र कादियान ने बताया कि राष्ट्र स्तर पर वंदे मातरम स्मरणोत्सव का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से किया व इस उत्सव को मनाने के लिए एक डाक टिकट व सिक्का जारी किया। उन्होंने बताया कि वंदे मातरम बंकिम चंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम अक्षय नवमी के अवसर पर 7 नवंबर 1875 को लिखा था। यह पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंद मठ के एक अंश के तौर पर प्रकाशित हुआ था। राष्ट्रीय गीत ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया। 1950 में संविधान सभा ने इसे भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया। इसे पहली बार 1896 में कोलकाता में कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने गाया था। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि यह राष्ट्रीय उत्सव भारतीय इतिहास और संस्कृति के प्रति कृतज्ञता करने और आने वाली पीढ़ियां को राष्ट्रीय के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना से जोड़ने का एक अनूठा अवसर है।

राष्ट्र निर्माण की दिशा में मिलकर काम करें

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई गई। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सत्र के कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महिला विश्वविद्यालय में सुना गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने छात्राओं से आह्वान किया कि वे इस वर्षगांठ को एक समय, एक जगह व एक गीत के माध्यम से यादगार बनाएं, ताकि राष्ट्र भावना गहरी हो सके। इस गीत के माध्यम से हमें अपनी स्वदेशी पहचान, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मिलकर काम करना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो शिवालिक यादव भी मौजूद रहे।

डीसीआरयूएसटी में विद्यार्थियों ने गाया वंदे मातरम

■ 150 वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की जयंती मनाई गई। 150 वीं जयंती के अवसर पर हजारों विद्यार्थियों ने वंदे मातरम गीत गाया। इस दौरान कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, यह भारत की आत्मा, अस्मिता और अदम्य देशभक्ति का प्रतीक है। इसने स्वतंत्रता संग्राम में वह जोश पैदा किया जिसने सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में बांध दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. अजय गर्ग, जिला युवा समन्वयक अधिकारी इंजीनियर विक्रम सिंह, डा. आरती देवेश्वर, डा. राजेंद्र मलिक, राजकीय औद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान खरखौदा के प्रधानाचार्य संदीप अहलावत, एनसीसी अधिकारी मेजर संजय श्योराण, आकाश व विश्वविद्यालय के शिक्षक, स्टॉफ ने हिस्सा लिया।

सोनीपत। डीक्रस्ट में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विवि का स्टाफ।

गेटवे एजुकेशन में मनाया राष्ट्रीय गीत दिवस

सोनीपत। गेटवे एजुकेशन सोनीपत की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) इकाई द्वारा 150वां राष्ट्रीय गीत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी आशीष अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. विनय कुमार सिंघल, विभिन्न संकायों के डीन, शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य, तथा एनएसएस समन्वयक वंशिका और अनुप की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के इतिहास, रचना और उसके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर एक प्रस्तुति से हुई। जिसके उपरांत वक्ताओं ने "वंदे मातरम" के बारे में बताया।

शब्द श्रृंखला बनाओ स्पर्धा में ए टीम विजेता

खरखौदा। दिल्ली मार्ग पर स्थित जेबीएच सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को शब्द श्रृंखला बना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागी विद्यार्थियों को दो टीमों में बांटा गया- टीम ए और टीम बी। इस प्रतियोगिताओं में जो शब्द लिखा जाता उसके आखिरी शब्द से नया शब्द बनाना था। दोनों टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता में टीम ए विजेता रही। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर कविता पांचाल, प्रीती दहिया, कविता गर्ग, ज्योति शर्मा, पूजा दहिया, मंजू दहिया, अचित्रा पंवार, ज्योति बरेजा, मनजीत दहिया, लक्ष्य दहिया आदि अध्यापक मौजूद रहे।

गन्नौरः ऋषि चैतन्य आश्रम में श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाया

■ श्री गुरु नानक देव जी के बगदाद प्रवास से जुड़ा प्रसंग सुनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

जीटी रोड स्थित ऋषि चैतन्य आश्रम में श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व बड़े हर्ष और श्रद्धा के साथ मनाया गया। आश्रम का वातावरण गुरबाणी के मधुर सुरों और भक्ति भाव से सरोबर रहा। कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर पद्मश्री पं. मधुप मुद्गल और उनके समूह ने सुमधुर गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित जनों को भक्ति और शांति से भर दिया। गुरुपर्व के दिन परम पूज्या आनंदमूर्ति गुरुमां की उपस्थिति में मुख्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। गुरुमां ने स्वयं गुरबाणी शब्द का गायन किया और उसका भावार्थ समझाते हुए श्री गुरु नानक देव जी के बगदाद प्रवास से जुड़ा प्रसंग सुनाया। उन्होंने एक ओंकार सतनाम मंत्र के माध्यम से एकता, सत्य और परमात्मा की सर्वव्यापकता का संदेश दिया।

फ्री नेत्र जांच शिविर बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में 11 को

गन्नौर। गुरु नानक देव के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में एमएसएमई इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन बड़ी की ओर से 11 नवंबर, मंगलवार को फ्री नेत्र जांच शिविर एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। शिविर गुरु नानक पार्क फेज एक में लगेगा। जानकारी एसो के सचिव हरप्रीत ने दी। बताया कि शिविर का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को नेत्र संबंधी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराना है ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण आंखों के इलाज से वंचित न रह जाए।

शिक्षा में मनोविज्ञान की भूमिका पर हुई चर्चा

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में सीबीएसई द्वारा दिनांक वीरवार और शुक्रवार को "शिक्षा में मनोविज्ञान की भूमिका" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राज्य के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने इसमें सक्रिय भागीदारी की। कार्यशाला का संचालन विद्यालय की प्राचार्या डॉ. किरण दलाल तथा मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ नीतु रानी के मार्गदर्शन में हुआ। सत्र में विद्यार्थियों के व्यवहार, अधिगम शैली, प्रेरणा, तनाव प्रबंधन एवं भावनात्मक बुद्धिमत्ता जैसे विषयों पर सारगर्भित चर्चा की गई। नीतु रानी ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं सहानुभूति के महत्व पर बल दिया, जबकि डॉ. किरण दलाल ने शिक्षकों को केवल अध्यापक नहीं, बल्कि मार्गदर्शक एवं परामर्शदाता के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। विद्यालय में विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें पदक विजेताओं को फूल-माला पहनाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

हॉकी प्रेमियों-युवा खिलाड़ियों में खास उत्साह

छह टीमों के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले

■ हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन में विशेष समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

इंडियन हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में हॉकी इंडिया के आह्वान पर प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन की ओर से हंड्रेड ईयर सेलिब्रेशन कार्यक्रम का आयोजन औद्योगिक क्षेत्र स्थित घास के मैदान में किया गया। इस अवसर पर हॉकी प्रेमियों और युवा खिलाड़ियों में खास उत्साह देखने को मिला। समारोह के दौरान कुल छह टीमों के बीच तीन रोमांचक मैच खेले गए। इनमें प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी रेड, ब्लू, बॉयज अंडर-14, गर्ल्स अंडर-14, टीकाराम गर्ल्स इलेवन और सोनीपत इलेवन टीमें शामिल रहीं। खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि हॉकी हमारे देश की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक रही है और आज का आयोजन इस विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास है। बड़ी संख्या में अभिभावकों और खेल प्रेमियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भव्य बना दिया। फाउंडेशन द्वारा भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के संयुक्त सचिव सुनील मालिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ द्रोणाचार्य अवार्डी प्रीतम सिवाच, प्रेम सिंह दहिया, नरेंद्र लोहाट, प्रेम प्रकाश, अनिल डबास, कुलदीप सिवाच, अरविंद कुमार सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

सोनीपत। हॉकी मैदान पर खिलाड़ियों के साथ अतिथिगण एवं अन्य।

भारती ने 70 और सृष्टि ने 57 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीता

■ हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई में 3 से 5 नवंबर किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई में 3 से 5 नवंबर तक हरियाणा राज्य ओलम्पिक खेल, हरियाणा ओलम्पिक संघ के बैनर के तले आयोजित किए गए। जिसमें कुल 14 भार वर्गों में सोनीपत के खिलाडियों ने भाग लिया और पांच स्वर्ण पदक, एक रजत पदक और तीन कांस्य पदक प्राप्त करते हुए द्वितीय टीम चैम्पियनशीप पर कब्जा जमाया। इस चैम्पियनशीप में इण्डियन स्कूल सोनीपत की तमन्ना ने +78 किलोग्राम में स्वर्ण पदक, शीतल ने 78 किलोग्राम में स्वर्ण पदक, भारती ने 70 किलोग्राम स्वर्ण पदक और सृष्टि ने 57 किलोग्राम में स्वर्ण पदक और योगेश ने 90 किलोग्राम में रजत पदक प्राप्त करके द्वितीय चैम्पियनशिप उठाने में अहम

सोनीपत। इंडियन स्कूल में विजेता खिलाड़ियों के साथ विद्यालय प्रबंधक, कोच एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

खबर संक्षेप

राठधाना में लाइब्रेरी का शुभारंभ

सोनीपत। राठधाना गांव में शुक्रवार को एक नई लाइब्रेरी का भव्य शुभारंभ किया गया। इस शुभ अवसर पर गाँव के कई माननीय व्यक्ति और अधिकारीगण मौजूद रहे, जिन्होंने इस कार्य की सराहना की और इसे गाँव के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्य अतिथि एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति लाइब्रेरी का शुभारंभ सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा और प्रिंस सरोहा के कर-कमलों द्वारा हुआ। इस दौरान बिजली विभाग के उच्च अधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें एक्शन रणबीर देसवाल और एस.डी.ओ. रूपेश गहलावत शामिल थे। इस अवसर पर गांव के राजू सरोहा, रामकिशन सरोहा, पूरण पंडित, पप्पू पंडित, सोनू, देवेंद्र भी उपस्थित रहे। जिन्होंने लाइब्रेरी की स्थापना में सहयोग दिया। शिक्षा और विकास पर ज़ोर सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा ने अपने संबोधन में कहा कि लाइब्रेरी शिक्षा का मंदिर है।

युवक से मारपीट कर नकदी छीनी

गन्नौर। गन्नौर थाना क्षेत्र के गांव खिजरपुर अहिर में एक व्यक्ति से चार युवकों द्वारा मारपीट कर नकदी छीनने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि चारों युवक काले रंग की गाड़ी में सवार होकर आए और रास्ता रोककर उसके साथ लूटपाट की। घटना के बाद आरोपी गाड़ी सहित मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत के बाद कार्रवाई शुरू कर दी।शिकायतकर्ता राकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वह रोजाना की तरह शुक्रवार सुबह करीब चार बजे खेतों की ओर जा रहा था। जब वह प्याज के नजदीक पहुंचा तो काले रंग की एक गाड़ी वहां आकर रुकी। गाड़ी में सवार चार युवक नीचे उतरे, जिनमें से दो के हाथों में पिस्तौल थी। युवकों ने आते ही उसका रास्ता रोक लिया और जान से मारने की धमकी देते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शिकायत में आरोप हैं कि तलाशी लेकर जेब में रखे 500 रुपये निकाल लिए। विरोध करने पर मारपीट की।

70 प्रतिशत अवैध कनेक्शन : निगम ने दिया नियमित करवाने का मौका

शहर में 15839 मकान- केवल 45,957 घरों में ही पेयजल और सीवरेज कनेक्शन

- सोनीपत शहर में 30 प्रतितशत से भी कम ने ले रखे हैं पेयजल और सीवर कनेक्शन
- हरियाणा सरकार ने शुरू की विशेष मुहिम, अवैध कनेक्शन वालों पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा सरकार ने शहरी क्षेत्रों में अवैध पेयजल एवं सीवरेज कनेक्शनों को वैध करने के लिए राज्यभर में विशेष मुहिम शुरू की है। इस मुहिम के तहत अब नागरिकों को अपने घरों के कनेक्शन वैध करवाने पर भारी-भरकम रोड कट शुल्क नहीं देना पड़ेगा। सरकार का उद्देश्य लंबे समय से चल रही अव्यवस्था को समाप्त करना और स्थानीय निकायों को हो रहे आर्थिक नुकसान की भरपाई करना है।

कमाल की बात तो ये है कि सोनीपत जिले के शहरों में 30 प्रतिशत से भी कम लोगों ने सीवर और पेयजल कनेक्शन ले रखे हैं। 70 प्रतिशत से अधिक मकानों पर सीवर और पेयजल कनेक्शन अवैध रूप से चल रहे हैं। हालांकि प्रदेश स्तर पर आंकड़ा कुछ अलग है। प्रदेश में हुए सर्वे के अनुसार, प्रदेश के शहरों में आधे से अधिक घरों में अवैध पेयजल या सीवरेज कनेक्शन हैं। अवैध कनेक्शनों के कारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और नगर निकायों को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। सरकार की नई अधिसूचना के अनुसार, यह छूट केवल रिहायशी कनेक्शनों पर लागू होगी, जबकि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को यह राहत नहीं मिलेगी।

9960 रुपये तक था रोड कट शुल्क

पहले कच्ची या इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक वाली गलियों में कनेक्शन लेने के लिए 5490 रुपये और तारकोल सड़क काटने पर 9960 रुपये रोड कट शुल्क देना पड़ता था। लेकिन अब रिहायशी उपभोक्ताओं को कनेक्शन वैध करवाने पर यह शुल्क पूरी तरह माफ रहेगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह मुहिम अंतिम अवसर के रूप में चलाई जा रही है। तय समयावधि के बाद जो लोग अपने कनेक्शन वैध नहीं करवाएंगे, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी, जिसमें अवैध कनेक्शन काटना भी शामिल है।

1550 रुपये फीस की गई निर्धारित

अधिसूचना के अनुसार, अब प्रत्येक पेयजल लाइन पर मीटर लगाना अनिवार्य होगा। जिन उपभोक्ताओं के पास मीटर नहीं होगा, उन्हें रोड कट शुल्क माफी का लाभ नहीं दिया जाएगा। घरेलू जलापूर्ति एवं सीवरेज कनेक्शन के लिए अब मात्र 1550 रुपये फीस निर्धारित की गई है। मीटरयुक्त घरेलू कनेक्शन पर वार्षिक बिल 720 रुपये होगा, जबकि बिना मीटर के यह राशि 1440 रुपये तक पहुंच जाएगी। वहीं, व्यावसायिक कनेक्शन का वार्षिक बिल 1500 रुपये तय है।

ये बोले मेयर

कनेक्शन वैध करवाने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए जल्द ही विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। लोगों को चाहिये कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने कनेक्शन वैध करवाएं ताकि भविष्य में किसी कार्रवाई से बचा जा सके।

ये है शहर की स्थिति

नगर निगम के सर्वे के अनुसार, शहर में कुल 1,54,839 मकान हैं, जिनमें से केवल 45,957 घरों में ही पेयजल और सीवरेज कनेक्शन दर्ज हैं। अधिकतर सेक्टर वासी ही इस दायरे में आते हैं, जबकि शहरी बस्तियों में अभी भी हजारों घर अवैध कनेक्शन का उपयोग कर रहे हैं। कनेक्शनों की सटीक जानकारी के अभाव भी परेशानी बन रहा है।

पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने किया प्रतिभागियों को प्रोत्साहित

- "विकसित युवा - विकसित भारत" अभियान के तहत, नशा मुक्त भारत अभियान सेमिनार का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पुलिस आयुक्त सोनीपत ममता सिंह ने शुक्रवार को डीसीआरयूएसटी यूनिवर्सिटी, मुरथल में आयोजित "विकसित युवा - विकसित भारत" के तहत 'जिला युवा महोत्सव दिवस 2025' में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस आयुक्त ने "नशा मुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत 7 नवम्बर से 15 नवम्बर 2025 तक आयोजित होने वाले जनजागरूकता सेमिनार श्रृंखला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लगभग 650 छात्र-छात्राओं व अध्यापकों को नशे के दुष्प्रभावों और साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी

जागरूकता जरूरी

इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) अजीत सिंह, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकगण और विश्वविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और समाज में इसके खिलाफ जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे।

शिविर में छात्राओं ने सीखी समाजसेवा

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर का शुक्रवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने कहा कि एनएसएस का लक्ष्य ही नॉट मी बट यू है। सेवाभाव से हमारी स्वयंसेविकाएं समाज को जागृत करने का काम कर रही हैं। हमारी छात्राएं जिस तरह से समाज के हर वर्ग तक पहुंच कर स्वच्छता से लेकर साक्षरता तक लोकल से लेकर वोकल तक के बारे में लोगों को जागरूक कर रही है वो निश्चित ही किसी समाज के विकास एक लिए शुभ संकेत है। समापन सत्र की अध्यक्षता संस्थान की प्राचार्य प्रो. सुषमा जोशी ने की। इस शिविर में छात्राओं ने जो उत्तम कार्य किए उन सब को वे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। कार्यक्रम में एनएसएस छहों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी क्रमशः डॉ. राजेश, डॉ. संदीप, डॉ. पूनम, डॉ. मीनू, डॉ. प्रीति और डॉ. नितिका का विशेष सहयोग रहा।

हटाए गए कर्मचारियों की बहाली व ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग

- ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच का धरना 37वें दिन भी जारी भूख हड़ताल का सातवां दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। नगर निगम में विरोध प्रदर्शन करते हुए ठेका सफाई कर्मचारी।

ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच, संबंधित मूलनिवासी कर्मचारी कल्याण महासंघ और सहयोग बली सेना सोनीपत यूनियन का धरना आज लगातार 37वें दिन और कार्मिक भूख हड़ताल का सातवां दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता मंच के प्रधान मुकेश टांक ने की, जबकि संचालन सहसचिव युधिष्ठिर ने किया।धरनारत कर्मचारियों ने प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि हटाए गए कर्मचारियों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है और उनकी परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही सभी को दोबारा काम पर नहीं लिया गया तो यह भूख हड़ताल अमरण अनशन में बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी कर्मचारी को नुकसान पहुंचा तो उसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। धरने में शामिल कर्मचारियों ने बताया कि बगैर किसी गलती के उन्हें नौकरी से हटा दिया गया है।

तीन दिवसीय कराटे प्रतियोगिता संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

प्रताप सिंह मैमोरियल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खरखौदा में आयोजित दिन दिवसीय हरियाणा ओलम्पिक गेम्स कराटे प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हो गया। जिसमें विभिन्न जिलों से आए 305 खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए हिस्सा लिया।

सम्मानित किया

समापन समारोह के मुख्य अतिथि स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, राई के कुलपति अशोक कुमार व विधायक पवन खरखौदा रहे। विद्यालय प्रबंधन की ओर से द्रोणाचार्य अवार्डी कोच ओमप्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया व अकादमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने पुष्पगुच्छ/बुके भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि *फोटो : हरिभूमि*

विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि खिलाड़ियों के उत्साह और प्रतिभा को देखकर यह विश्वास और भी मजबूत होता है कि हरियाणा खेल जगत में आने वाले समय का सिरमौर बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट संदेश है कि खेलेगा भारत, तभी तो आगे बढ़ेगा भारत' और इसी सोच के साथ केंद्र सरकार खिलाड़ियों को सुविधाएँ उपलब्ध करा रही है।

देश का गौरव बढ़ाएंगे

इसी का परिणाम है कि हरियाणा के खिलाड़ी आज ओलम्पिक, एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप में भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। वाइस चांसलर अशोक कुमार ने कहा कि असली खिलाड़ी वही है जो हर बार मैदान में उतरकर सीखता है और आगे बढ़ने की दृढ़ता रखता है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास से ही हम सफल खिलाड़ी बन सकते हैं। टीम कुमाइट – लड़कों में कुरूक्षेत्र प्रथम, भिवानी द्वितीय, कैथल व हिसार तृतीय स्थान पर, लड़कियों में कुरूक्षेत्र प्रथम, भिवानी द्वितीय, कैथल व हिसार तृतीय स्थान पर, कुरूक्षेत्र, हिसार, अंबाला व फतेहाबाद क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। टीम काटा– लड़कों में कुरूक्षेत्र पहले स्थान पर रहा।

इनेलो खेल प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी का गठन

- खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सुनील ढाका ने प्रदेश अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष की देखरेख में किया कार्यकारिणी का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुनील ढाका ने जिला कार्यकारिणी का गठन किया।

इस मौके पर इनेलो खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र मोर व जिला अध्यक्ष कुनाल गहलावत मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान जिलेभर से पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुनील ढाका ने जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न हल्कों से युवाओं को जिम्मेदारी दी गई है। प्रवीन कुमार को गन्नौर हल्का अध्यक्ष, सुधीर ढाका को राई, उत्तम मलिक को गोहाना, पवन राणा को खरखोदा, ईशु दहिया को सोनीपत व रोहित मलिक को बरोदा हल्का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा जसबीर सहरावत को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पप्पू पहलवान, विपिन दूहन, सालिम और विक्रम डांगी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। संदीप बड़क को प्रधान महासचिव, धर्मबीर, सतीश, कमल आंतिल और प्रदीप को महासचिव तथा रिंकू मोर को सचिव का दायित्व सौंपा गया है।

नीरज बने भाजपा सोनीपत के जिला कार्यालय प्रभारी

गन्नौर। भारतीय जनता पार्टी सोनीपत के जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज ने संगठनात्मक मजबूती के तहत नई नियुक्ति की घोषणा की है। नीरज कुमार ठरू को भाजपा सोनीपत का नया जिला कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया गया है। अब नीरज कुमार जिले के सभी कार्यालय कार्यों का संचालन और समन्वय संभालेंगे। साथ ही, वे पार्टी की जिला स्तर की बैठकों, कार्यक्रमों तथा प्रशासनिक गतिविधियों में जिला अध्यक्ष के निर्देशन में कार्य करेंगे। जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज ने कहा कि पार्टी संगठन निरंतर विस्तार और सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रहा है।

जीडी गोयंका में बच्चों ने भक्ति व आनंद से भरा माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को गुरु नानक देव के प्रकाश के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रि-नर्सरी से लेकर कक्षा द्वितीय तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भक्ति और आनंद से भरा माहौल बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु नानक देव के उपदेशों पर आधारित कथा व विचार प्रस्तुति से हुई, जिसमें शिक्षिकाओं ने बच्चों को सत्य, समानता और सेवा के महत्व के बारे में प्रेरक जानकारी दी। इसके बाद बच्चों ने पारंपरिक परिधान धारण कर "शब्द कीर्तन" प्रस्तुत किया, जिससे पूरा विद्यालय परिसर भक्ति रस से सराबोर हो गया। नन्हे बच्चों के स्वर और समर्पण भाव ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को गुरु नानक देव के जीवन से जुड़ी शिक्षाओं से अवगत कराया गया। शिक्षिकाओं ने उन्हें बताया कि सच्चाई, ईमानदारी और दूसरों की सेवा ही जीवन का वास्तविक मार्ग है। बच्चों ने श्रद्धा पूर्वक "कड़ा प्रसाद" ग्रहण किया और गुरु नानक देव जी के प्रति आभार व्यक्त किया। स्कूल उप प्रधानाचार्य ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना जगाने का कार्य करते हैं।

कानून बनाना जितना जरूरी उतना पालन करवाना भी

गोहाना। अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए एमडी विकास मलिक व प्राचार्य जगजीत मलिक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शैक्षणिक खंड कथूरा के राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों के मुखियाओं ने भाग लिया। संस्थान के एमडी विकास मलिक और प्राचार्य जगजीत मलिक ने मुख्य अतिथि सीडब्ल्यूसी पूर्व अध्यक्ष एवं जिला समन्वयक डा. राजसिंह सांगवान और खंड शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र गौड़ का स्वागत किया।

निगरानी रखें

डा. राजसिंह सांगवान ने कहा कि केवल किशोर न्याय कानून बनाना पर्याप्त नहीं है अपितु इसका पालन करवाना और इस बारे लोगों को जागरूक करना भी बहुत जरूरी है। यह जिम्मेदारी विभाग की है। उन्होंने कहा कि डायरेक्ट स्केट होल्डर जिसमें बच्चे के साथ कोई गलत कार्य हो रहा हैं अर्थात यदि उससे कोई चाइल्ड लेबर करवाई जा रही है तो इसकी निगरानी रखना विभाग का काम है। डा. सांगवान ने अध्यापकों से भी कई प्रश्न पूछे। उन्होंने जेजे अधिनियम में बच्चों के साथ न्याय और संरक्षण के बारे में महत्वपूर्ण कार्य करने वाली संस्थाओं की जानकारी दी।

विधायक ने कार्यकर्ताओं का आभार जताया, पार्टी के नेता भी पहुंचे

कार्यकर्ताओं ने मनाया विधायक गहलावत का जन्मदिन, हवन के बाद प्रसाद किया वितरित

राई। हलके की विधायक कृष्णा गहलावत के जन्मदिन पर विधायक आवास पर हल्कावासियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। विधायक आवास पर आयोजित हवन यज्ञ में विधायक कृष्णा गहलावत ने हल्के से आए भारी समर्थकों के साथ हवन यज्ञ में आहुति डाली। जन्मदिन के मौके पर कृष्णा गहलावत के निवास स्थान पर सुबह से ही शुभचिंतकों का तांता लगा रहा। लोगों ने उन्हें फूलमालाएं पहनाकर आशीर्वाद स्वरूप शुभकामनाएं दीं। बधाई देते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि विधायक कृष्णा गहलावत ने अपने नेतृत्व और सौम्य स्वभाव से राई हलके में विकास की नई मिसाल कायम की है। उनकी प्राथमिकता सदैव जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करना रही है। पार्टी और जनता दोनों ही उन्हें एक ईमानदार, कर्मठ और निष्ठावान जनप्रतिनिधि के रूप में मानते हैं। भाजपा नेता मास्टर सतनारायण आंतिल ने कहा कि विधायक कृष्णा गहलावत के नेतृत्व में राई हलका निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। हलके के लोगों ने विधायक कृष्णा गहलावत की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में नई दिशा मिली है। विधायक ने हमेशा सभी को साथ लेकर चलने की नीति अपनाई है, यही उनकी लोकप्रियता का कारण है। ब्लॉक समिति चेयरपर्सन मुरथल आशा रानी ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कृष्णा गहलावत महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। निगम पार्षद पुनीत राई ने कहा कि विधायक कृष्णा गहलावत न केवल राजनीति में बल्कि सामाजिक जीवन में भी अनुकरणीय हैं। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि राई हलके का सर्वांगीण विकास उनका लक्ष्य है और इसके लिए वे पूरी निष्ठा से कार्य करती रहेंगी। युवा नेता अनिल आंतिल, भाजपा नेता मास्टर सतनारायण आंतिल, जेपी रेवली, निगम पार्षद पुनीत राई सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

राई। सोनीपत विधायक निखिल मदान, विधायक कृष्णा गहलावत, पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नांगल केक काटते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

केक काटा

राई विधायक कृष्ण गहलावत का नांगल गांव में मार्केट कमेटी के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नंगल के बेटे के शादी समारोह में शादी की रस्म की शुरुआत से पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नांगल व उनकी धर्मपत्नी ने केक काटा। इस मौके पर सोनीपत विधायक निखिल मदान, भाजपा नेता शमशेर खरकड़ा के अलावा काफी संख्या में मौजूद लोगों ने जन्मदिन की विधायक को बधाई दी।

संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में हिमांशु ने बाजी मारी

- गीता महोत्सव : 2025 के अंतर्गत शेर सिंह स्कूल में प्रतियोगिताएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गीता जयंती महोत्सवः 2025 के अंतर्गत शुक्रवार को शहर में सोनीपत मार्ग स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल में संस्कृत श्लोकोच्चारण, प्रश्नोत्तरी, भाषण, निबंध लेखन और संवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मार्गदर्शन स्कूल के चेयरमैन महेंद्र सिंह मलिक का रहा। प्राचार्य कुलदीप देशवाल के अनुसार कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक के वर्ग में संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं के हिमांशु पुत्र सुरेंद्र और कक्षा छठी से कक्षा 8वीं तक के वर्ग में कक्षा 8वीं के देव पुत्र सुदामा अव्वल रहे।

ये रहा परिणाम

कक्षा छठी से कक्षा 8वीं तक के वर्ग में भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 7वीं के कुणाल पुत्र संदीप प्रथम रहे। कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक के वर्ग में संवाद प्रतियोगिता में कक्षाा 10वीं की छात्रा नैंसी पुत्री हर्षिता और कक्षा छठी से कक्षा 8वीं तक के वर्ग में कक्षा छठी के मोक्ष और वंश की टीम प्रथम रही। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उक्त दोनों वर्गों में प्राची पुत्री जयभगवान और रौनक पुत्री विजय व अन्य ने बाजी मारी।

जन्मदिन, हवन के बाद प्रसाद किया वितरित

राई। सोनीपत विधायक निखिल मदान, विधायक कृष्णा गहलावत, पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नांगल केक काटते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

केक काटा

राई विधायक कृष्ण गहलावत का नांगल गांव में मार्केट कमेटी के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नंगल के बेटे के शादी समारोह में शादी की रस्म की शुरुआत से पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नांगल व उनकी धर्मपत्नी ने केक काटा। इस मौके पर सोनीपत विधायक निखिल मदान, भाजपा नेता शमशेर खरकड़ा के अलावा काफी संख्या में मौजूद लोगों ने जन्मदिन की विधायक को बधाई दी।